# UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 30 महात्मा गांधी (महान व्यक्तिव)

### पाठ का सारांश

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में योगदान के कारण महात्मा गांधी राष्ट्रपिता' कहे जाते हैं। इन्हें प्यार से 'बापू' भी कहा जाता है। इनका जीवन भारतीय जनमानस का प्रेरणास्रोत है। ये जो व्यवहार दूसरों से चाहते थे, उसे पहले स्वयं करते थे। इनके सिद्धांतों को गांधीवाद और राजनैतिक काल को 'गांधी-युग' के नाम से जाना जाता है।

गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 ई० को पोरबन्दर (गुजरात प्रांत) में हुआ। इनका पूरा नाम मोहनदास करमचन्द गांधी था। इनके पिता करमचन्द और माता पुतलीबाई धार्मिक तथा सरल स्वभाव,के थे। उनकी धार्मिक आस्था व सादगी का गांधी पर बहुत प्रभाव पड़ा। बचपन में गांधी जी ने सत्य हरिश्चन्द्र और श्रवणकुमार नाटक देखे। सत्यनिष्ठा, अहिंसा, त्याग व मानवसेवा की झलक इनके जीवन के अनेक प्रसंगों में मिलती है।

गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में अँग्रेजों की रंगभेदनीति और भारत में फैली छुआछूत कुरीति का जमकर विरोध किया। साबरमती में आश्रम के नियम बनाए-सत्य बोलन अहिंसा के भाव, ब्रह्मचर्य व्रत, भोजन संयम, चोरी न करना, स्वदेशी का प्रयोग, चरखा कातना आदि।

गांधी जी के आचार-विचार से अँग्रेज अधिकारी भी प्रभावित होते थे। 30 जनवरी, 1948 ई० को गांधी जी की हत्या कर दी गई। दिल्ली के रजघाट में इनकी समाधि है, जहाँ लोग श्रद्धापुष्प चढ़ाते हैं। गांधी जी के कार्य व्यवहार और विचार हमें चिरकाल तक नैतिक बल प्रदान करते रहेंगे।

https://www.evidyarthi.in/